साहित्य अकादेमी द्वारा बाल साहित्य पर आयोजित 'पुस्तकायन' पुस्तक मेला संपन्न

- **आठ दिन चले मेले में बाल लेखकों से संवाद, बाल साहित्य के विभिन्न पक्षों पर चर्चा, बाल रचना-पाठ, पुस्तक लोकार्पण एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए आयोजित**
- **बच्चों के लिए कहानी-कविता एवं कार्टून चित्रांकन कार्यशालाएँ भी हुई आयोजित**

नई दिल्ली। 21 दिसंबर 2022; साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित किए गए 'पुस्तकायन' पुस्तक मेले का 18 नवंबर 2022 को समापन हुआ। आठ दिन चले इस मेले की थीम इस बार बालसाहित्य पर केंद्रित थी अतः प्रत्येक दिन बाल लेखकों से संवाद, बालसाहित्य के विभिन्न पक्षों पर चर्चा, बाल रचना-पाठ, पुस्तक लोकार्पण एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

'अपने प्रिय लेखक से मिलिए' कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न स्कूलों के बच्चों को प्रत्येक दिन प्रख्यात बाल साहित्यकारों-बालस्वरूप राही, दिविक रमेश, क्षमा शर्मा, कमलजीत नीलों, पारो आनंद एवं प्रख्यात उर्दू लेखक असद रजा से मिलने और उन्हें सुनने का अवसर मिला। प्रतिदिन आयोजित चर्चा एवं रचना-पाठ कार्यक्रम में बालसाहित्य कल, आज और कल, बालसाहित्य का वर्तमान परिदृश्य, बालसाहित्य के समक्ष चुनौतियाँ, बाल पत्रिकाओं का भविष्य एवं बाल साहित्य प्रकाशन के समक्ष चुनौतियाँ विषय पर चर्चा हुई। अंतिम दिन बाल साहिती कार्यक्रम में प्रख्यात बाल साहित्यकार योगेंद्रदत्त शर्मा की अध्यक्षता में दिशा ग्रोवर, घमंडी लाल अग्रवाल, ऋषि राज, सूर्यनाथ सिंह, वेदमित्र शुक्ल तथा वेलु सरवणन ने अपनी-अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। 'पुस्तकायन' पुस्तक मेले के तीसरे दिन बच्चों के लिए तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। पहली कार्यशाला कहानी-लेखन पर केंद्रित थी, जिसे प्रख्यात अंग्रेजी लेखिका दीपा अग्रवाल ने संयोजित किया। दूसरी कार्यशाला कविता-लेखन पर थी, जिसका संचालन हिंदी बाल लेखक श्याम सुशील ने किया। दोपहर के बाद के सत्र में कार्टून बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई जिसे प्रख्यात कार्टूनिस्ट उदय शंकर एवं माधव जोशी ने संचालित किया। इन कार्यशालाओं में 250 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

सीसीआरटी के सहयोग से प्रस्तुत 'आजादी के रंग बाल कलाकारों के संग' शीर्षक से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत बाल एवं युवा कलाकारों ने कथक नृत्य संबलपुरी लोक नृत्य, ओडिसी नृत्य, कुचीपुड़ी, सतारिया नृत्य एवं भरतनाट्यम् के अतिरिक्त शास्त्रीय गायन, तबला एवं बांसुरी वादन की जुगलबंदी भी प्रस्तुत की गई, ज्ञात हो कि 11 नवंबर से प्रारंभ हुए इस पुस्तक मेले में 30 से अधिक प्रकाशकों ने भाग लिया और इसका उद्घाटन प्रख्यात लेखिका नासिरा शर्मा ने 11 नवंबर 2022 को किया था।

इस पुस्तक मेले में पूरे देश से आए विभिन्न भारतीय भाषाओं के बाल साहित्यकार - मधु पंत, देवेंद्र मेवाड़ी, रईस सिद्दीकी, मृणाल चंद्र कलिता, कुमुद भीकू नायक, तरसेम, हाफिज कर्नाटकी, राजीव तांबे, जया मित्र, वर्षा दास, सम्पदानन्द मिश्र, भैरूँलाल गर्ग, एस.आर. लाल, प्रभात कुमार, बलराम अग्रवाल, चंदना दत्ता, मंजुलुरि कृष्णा कुमारी, पंकज चतुर्वेदी एवं सुशील शुक्ल आदि ने भाग लिया।

प्रस्तुति- **अजय कुमार शर्मा,**